B.A - III
Psy (H)
Paper - V

आलेखीय प्रस्तुतीकरण
(Graphic Presentation)

आलेख का निर्माण दो रेखाओं द्वारा किया जाता है। इन रेखाओं में से खड़ी रेखा को क्रमसूचक या 'Y' अक्ष (axis) कहा जाता है। तथा पड़ी रेखा को एब्सिसा या 'X' कहा जाता है। खड़ी तथा पड़ी रेखाएं जिस बिंदु पर मिलती हैं, उस बिन्दु को 'O' (origin) कहा जाता है। यह 'O' बिंदु खड़ी तथा पड़ी रेखाओं का शून्य बिन्दु या उद्गम-स्थान होता है।

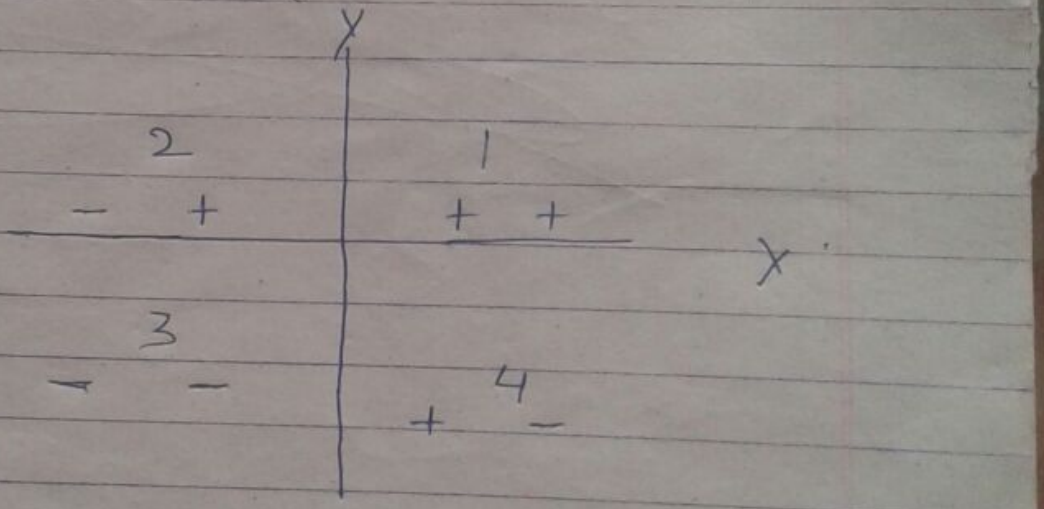

'X' का 'O' बिंदु से दायाँ भाग धनात्मक (+ या Positive) होता है तथा बाँया भाग ऋणात्मक (− या negative होता है। उसी तरह से 'x' अक्ष 'O' बिन्दु के ऊपर का भाग धनात्मक (+ या positive) होता है तथा नीचे का भाग ऋणात्मक (− या negative) होता है। 'O' बिंदु पर जब 'X' तथा 'Y' अक्ष एक दूसरे

को काटते हैं तो इसके फलस्वरूप आलेख के 4 भाग बन जाते हैं जिसे चतुर्थांश कहा जाता है।

आकृति विवरण का आलेख द्वारा कई विधियों से दिखलाया जाता है। जो निम्नांकित हैं -

(i) आकृति बहुभुज
(ii) आयत चित्र
(iii) दंड आरेख
(iv) संचयी आवृति वक्र
(v) संचयी आवृति प्रतिशतता वक्र या तोरण